शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

19 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 163
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया विकास योजनाओं का शिलान्यास

हमारे संवाददाता

रुद्रपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पंतनगर एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया। इसके बाद गृह मंत्री रुद्रपुर पहुंचे, जहां उन्होंने एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की ग्राउंडिंग के अवसर पर आयोजित निवेश उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह ने विभिन्न विभागों की 1165.4 करोड़ रुपये की लागत वाली 14 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने राज्य की जनता और औद्योगिक क्षेत्र के लिए कई अहम घोषणाएं कीं।

गृह मंत्री ने सिडकुल और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं के लिए 126 करोड़ की लागत से बनने वाले दो कामकाजी महिला छात्रावासों का शिलान्यास किया। इसके अलावा रुद्रपुर के गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण और 31वीं वाहिनी पीएसी में 47.79 करोड़ रुपये की लागत से 108 टाइप-द्वितीय आवासों के निर्माण कार्य की भी नींव रखी गई। मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में गृह मंत्री ने जिन प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें हरिद्वार में 40वीं वाहिनी पीएसी में आवासीय भवनों का निर्माण, रुद्रपुर में एनएच-87 पर डीडी चौक से इंदिरा चौक तक सड़क चौड़ीकरण, नैनीताल के मेट्रोपोल होटल परिसर में सरफेस पार्किंग, चंपावत में मल्टीलेवल पार्किंग और वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स, टनकपुर में पेयजल आपूर्ति परियोजना, हल्द्वानी में प्रशासनिक भवन व बस टर्मिनल निर्माण कार्य व हल्द्वानी में वर्षा जल प्रबंधन और सड़क निर्माण परियोजनाएं शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है और उत्तराखंड इसके लिए एक आदर्श राज्य बनकर उभरेगा

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेशकों को अनुकूल वातावरण देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह निवेश उत्सव राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा देगा और उत्तराखंड को औद्योगिक रूप से सशक्त बनाएगा।

- राजधानी गैरसैंण के मुद्दे पर -

जस्टिस राकेश ने नेताओं को लताड़ा

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य गठन से भी पहले उत्तराखंड की राजधानी गैरसैंण में बनाने का जो सपना राज्य के लोगों ने संजोया था वह आज तक भी पूरा क्यों नहीं हो सका? इस सवाल पर राज्य हाईकोर्ट के जज राकेश थपलियाल ने अपनी बेहद तल्ख टिप्पणी के जरिए सूबे के नेताओं को आइना दिखाया गया है। उनका साफ कहना है कि अगर सूबे की राजधानी गैरसैंण बनाई गई होती तो आज राज्य की तस्वीर कुछ अलग ही होती।

जस्टिस राकेश थपलियाल का कहना है कि नेताओं द्वारा 25 सालों से राज्य की जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा है। इन नेताओं ने राज्य के लोगों को

●जनता को बेवकूफ समझ रहे हैं नेता
●●सारा विकास देहरादून तक सिमटा

बेवकूफ समझा हुआ है अब यह नेता कह रहे हैं कि 2027 में हमें चुनाव जिताईए हम गैरसैंण को राजधानी बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि अगर गैरसैंण को शुरू में ही राजधानी बनाया गया होता तो आज हर गांव में अस्पताल होता

और स्कूल तथा बिजली-पानी होता। राज्य की तस्वीर ही अलग होती।

वह कहते हैं कि राज्य के लोगों को इसके खिलाफ सड़कों पर उतरना चाहिए और मानसून सत्र के आयोजन का विरोध करना चाहिए। उनका कहना है कि गैरसैंण में 8000 करोड़ का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है। इन नेताओं को सिर्फ एक सूटकेस उठाकर जाना है लेकिन वह ढांचागत सुविधाओं के अभाव की बात कहकर वहां जाने तक से कतराते हैं। उनका कहना है कि आज प्रदेश का विकास सिर्फ देहरादून तक सीमित होकर रह गया है। वह राज्य के नेताओं को लताड़ते हुए कहते हैं कि जनता को इनके खिलाफ सड़कों पर उतरना चाहिए। वही नेताओं को कहते हैं कि जनता को वह बेवकूफ बनाना बंद करें। जस्टिस राकेश थपलियाल के इस तल्ख बयान के बाद अब राजधानी गैरसैंण का मुद्दा फिर चर्चाओं के केंद्र में आ गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

उन्माद वाली कावड़ यात्रा

उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कांवड़ियों के उत्पात की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। कहीं होटल ढाबों में तोड़फोड़ तो कहीं वाहनों पर हमले, ऐसा लगता है कि इन उत्पाती कांवड़ियों पर शासन-प्रशासन का कोई भी नियंत्रण नहीं रह गया है। एक बात स्पष्ट है कि इस तरह के उत्पात मचाने वाले लोग शिव भक्त तो कम से कम नहीं हो सकते हैं, जो लोग भक्ति भाव के वशीभूत होकर कावड़ लेने घर से निकलते हैं उनका इस तरह की घटनाओं से कोई सरोकार नहीं हैं। वह अपनी भक्ति में लीन है और बिना किसी विवाद में उलझे अपना काम कर रहे हैं लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस अत्यंत ही भक्ति भाव वाली कावड़ यात्रा में कुछ ऐसे अराजक तत्वों की घुसपैठ भी हो गयी है जो सिर्फ मौज मस्ती और हुड़दंग करने के लिए यात्रा पर हैं। छोटी-छोटी बातों पर उनका बखेड़ा खड़ा कर देना और कानून व्यवस्था को तार तार कर देना इसलिए भी संभव हो पा रहा है क्योंकि सरकारों द्वारा उनके खिलाफ कोई सशक्त कार्यवाही नहीं की जा सकती है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि अब इन उत्पाती कॉवंड़ियों द्वारा पुलिस और प्रशासन से भी भिड़ने में कतई संकोच नहीं किया जा रहा है। भले ही कांवड यात्रा पर तैनात किए गए पुलिस व सुरक्षा बलों के जवान मीडिया के कैमरे के सामने अपनी बात कहने से बच रहे हो लेकिन वह दबी जुबान से अपनी इस पीड़ा को जरूर बयां कर रहे हैं कि जब सरकार के संरक्षण में यह सब कुछ हो रहा है तो वह भला कैसे किसी को रोक सकते हैं। यह सच भी है कि सरकार इन कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत कर रही है तो फिर किसी पुलिसकर्मी की क्या हिम्मत हो सकती है कि उनसे वह कुछ भी कह सके। भले ही शासन-प्रशासन द्वारा इन कांवड़ियों के लिए उनके मार्ग निर्धारण से लेकर तमाम तरह के दिशा निर्देश तैयार किए गए हो, लेकिन वह कहीं भी उनका अनुपालन करते नहीं दिख रहे हैं। इस कावड़ यात्रा को सही मायने में नेताओं ने अपने उस हिंदुत्व के मुद्दे का शक्ति प्रदर्शन बना दिया है जिसे लेकर पूरे देश में हिंदू-मुस्लिम की राजनीति हावी है। जिस तरह का उत्पात इस बार कांवड़ यात्रा में दिख रहा है उस उन्माद को देख कर किसी को भी डर लग सकता है। धार्मिक उत्सवों और यात्राओं का मकसद अगर जातीय तथा धार्मिक उन्माद पैदा करना हो जाए तो उसके परिणाम क्या होंगे इस मुद्दे पर कोई भी सोचने को तैयार नहीं है। बात तो अब इससे भी बहुत आगे निकल चुकी है। कांवड़ यात्रा के इस रंग ढंग से अब हिंदुओं में भी बेचैनी दिख रही है और लोगों ने यूपी तथा उत्तराखंड में यहां तक कहना शुरू कर दिया है कि सत्ता में बैठे लोग भले ही इसे अपने फायदे का सौदा मान रहे हो लेकिन आने वाले समय में उन्हें इसका भारी नुकसान ही होगा। किस दल व नेता को इसका लाभ या नुकसान होगा अलग बात है फिलहाल समाज को इसका नुकसान जरूर हो रहा है और परेशानियां उठानी पड़ रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण हेतू प्रेरणादायी आहवान को आत्मसात करते हुए खटीमा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंर्तगत अपनी माताजी के साथ वृक्षारोपण किया।

नानी व नातिन की मौत पर जांच दल की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

संवाददाता

मुनस्यारी। नानी व नातिन की मौत के मामले में जांच कर रही टीम की कार्यप्रणाली पर क्षेत्रीय लोगों ने सवाल खडे कर दिये और मामले की न्यायिक जांच की मांग की।

आज यहां 24 घंटे नहीं बीते थे, कि उपचार के दौरान हुई लापरवाही की जांच करने के लिए पहुंचे जांच दल के जांच पर सवाल उठने लगा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेज कर इस अति संवेदनशील मामले की न्यायिक जांच किए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पर क्षेत्रीय जनता तथा पीड़ित परिवार को कोई भरोसा नहीं रह गया है। एक सप्ताह के भीतर न्यायिक जांच की घोषणा नहीं हुई तो क्षेत्र में उग्र आंदोलन किया जाएगा। उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक गायक गणेश सिंह मर्तोलिया की धापा निवासी बहिन दिया मर्तोलिया तथा नानी श्रीमती कुंती देवी बर्फाल के उपचार में की गई गंभीर लापरवाही की जांच करने के लिए शुक्रवार को पहुंचे। जहां जांच की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे है। आज विभिन्न संगठनों ने उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेज कर न्यायिक जांच की मांग उठा दी। उन्होंने कहा कि जांच दल के सदस्यों ने बयानकर्ताओं को सही बयान नहीं लिखवाने दिया।

❑न्यायिक जांच की मांग, सरकार को एक सप्ताह की मोहलत

टीम वापस चली गई थी, नहीं तो बवाल हो सकता था। कहा कि बंद कमरे में बयान लेने के नाम पर उपचार में हुई लापरवाहियों को ढकने का कार्य किया गया है। गंभीर लापरवाही करने वाले डॉक्टर्स से तथा स्टाफ को बचाने के लिए बयान देने से रोका गया है। जांच शुरु होने से पहले जांच दल द्वारा मृतकों के परिजनों, ग्रामवासियों तथा जनप्रतिनिधि यों को आश्वासन दिया था कि निष्पक्ष रूप से बयान अंकित किए जाएंगे, लेकिन बयानकर्ताओं से कहा कि जो हम पूछेंगे बस उसी का जवाब दो। अपनी ओर से कुछ नहीं बोलना है। इस बात को सुनते ही जनता और जनप्रतिनिधियों में आक्रोश फैल गया। अस्पताल जाने तक जांच वह अपने ही आश्वासन पर मुकर गए। जांच टीम ने मनमाने ढंग से बयान दर्ज कर डॉक्टर्स और स्टाफ को बचाने का कार्य किया है। इस मौके पर मल्ला जोहर विकास समिति के अध्यक्ष राम सिंह धर्मशक्तू , महासचिव लोक बहादुर सिंह जंगपांगी, व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रमोद कुमार द्विवेदी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया, होटल एसोसिएशन के पूरन चंद्र पांडे, गणेश राम, प्रिया रिलकोटिया, राजेंद्र सिंह पांगती आदि उपस्थित रहे।

मुनस्यारी बचाओं संघर्ष समिति के संयोजक जगत सिंह मर्तोलिया ने बताया कि एक सप्ताह तक सरकार के फैसले का इंतजार किया जाएगा। उसके बाद क्षेत्र के समस्त सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों, महिला एवं युवक मंगल दलों, व्यापार संघ की संयुक्त बैठक बुलाकर आंदोलन की रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा।

वर्क फोर होम के नाम पर ठगे एक लाख रुपये

देहरादून (सं)। वर्क फोर होम का झांसा देकर एक लाख 14 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू ग्राम निवासी ज्योति टम्टा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी और फोन करने वाले ने उसको वर्क फोर होम के बारे में बताया तथा उसकी अन्य लोगों से भी बात करायी। जिसके बाद वह उनके झांसे में आ गयी और उन्होंने उससे कई बार पैसे अपने खाते में डलवाये। लेकिन जब उसने उनको एक लाख 14 हजार रूपये उनको दे दिये उसके बाद उसको अहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महीनों से आर्थिक सहायता के लिए चक्कर कटवा रहा तहसील प्रशासनः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि तहसील प्रशासन आर्थिक सहायता के चेक के लिए विकलांग लोगों को चक्कर कटवा रहा है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा प्रतिनिधि मंडल ने मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में तहसील विकासनगर पहुंचकर एक ही परिवार के तीन पूर्णतया विकलांग जनों हेतु सरकार द्वारा जारी आर्थिक सहायता के चेक मामले में इध र-उधर भटकाने से आक्रोशित होकर तीनों विकलांग जनों को लेकर तहसील में प्रशासन को उनकी जिम्मेदारी एवं संवेदनहीनता के बारे में खरी खोटी सुनाई। तहसीलदार विवेक राजोरी ने आचार संहिता समाप्त होते ही लेखपाल के माध्यम से चेक अगले दिन इनके घर पहुंचा दिया जाएगा। नेगी ने कहा कि मोर्चा द्वारा विकलांग जनों हेतु सरकार से आर्थिक सहायता मंजूर करवाई गई थी, लेकिन 6- 7 महीने से लगातार इनको टरकाया जा रहा है। हालात यह हैं कि अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में सत्ताधारी दल के विधायकों द्वारा आर्थिक सहायता के चेक तहसील कर्मियों को डरा- ध

मकाकर अपने कब्जे में ले लिए जाते हैं तथा वहीं से उनका वितरण करते हैं, जबकि यह बिल्कुल नियम विरुद्ध कार्य है। अधिकांश व्यक्ति विधायक के घर नहीं जाना चाहते तथा कई-कई चक्कर काटने के बाद भी विधायक उनको नहीं मिलते। आर्थिक सहायता के चेक पक्ष -विपक्ष दल के जरूरतमंद लोगों के हो सकते हैं, ऐसे में विधायकों के घर से चेक बंटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कई बार तहसील प्रशासन को इस मामले में अवगत कराया गया, लेकिन इनके द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया गया। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए ये विधायक ऐसा गैरजिम्मेदाराना काम कर रहे हैं द्यअगर इनको थोड़ी भी शर्म है तो तहसील से लाये चेकों को घर-घर जाकर क्यों नहीं बांटते। इन विधायकों को इस बात के लिए भी शर्मिंदा होना चाहिए कि सरकार द्वारा स्वीकृत 5-10 हजार रुपए के चेक देकर ये विधायक उनके साथ अपनी फोटो खिंचवाते हैं। मोर्चा ने तहसील प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर इसकी पुनरावृत्ति हुई तो जिम्मेदारों को कुर्सी सहित बाहर फेंक दिया जाएगा एवं इन गैरजिम्मेदार विध ायकों को भी सबक सिखाया जाएगा। मोर्चा टीम में महासचिव आकाश पंवार, विजयराम शर्मा, दिलबाग सिंह, हाजी असद, भीम सिंह बिष्ट, प्रवीण शर्मा पिन्नी, अमित जैन, सुशील भारद्वाज व यूनुस आदि मौजूद थे।

बच्चों को दिशा दें, दबाव नहीं!

ममता राय

महाराष्ट्र के सांगली के एक छोटे से गांव नेलकरंजी में घटी एक त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। 16 साल की साधना भोसले, जो नीट की तैयारी कर रही थी, उसके मॉक टेस्ट में कम अंक आए। और यही 'अपराध' उसकी जान का कारण बन गया। उसके पिता, जो पेशे से शिक्षक हैं, ने उसे इतनी बेरहमी से पीटा कि वह ज़िंदगी की जंग हार गई। यह कोई साधारण घरेलू झगड़ा नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक मानस की गहराई में छिपी एक भयावह सच्चाई को उजागर करता है कि,हमने बच्चों को सपनों का बोझ उठाने की मशीन बना दिया है। मौजूदा दौर की शिक्षा व्यवस्था सिर्फ अंक, रैंक और सफल करियर के नाम पर इतनी असंवेदनशील हो गई है कि उसमें बच्चे की रुचि, मानसिक स्वास्थ्य, या आत्म-सम्मान जैसी चीज़ों के लिए कोई जगह नहीं बची है। अभिभावक, जो कभी बच्चों के संरक्षक हुआ करते थे, अब कई बार उन्हें प्रोजेक्ट की तरह ट्रीट करते हैं,जैसे हर बच्चे को डॉक्टर, इंजीनियर या अफसर बनना ही है, वरना वह असफल है। लेकिन क्या कोई परीक्षा का नतीजा किसी इंसान की काबिलियत या जीवन की कीमत तय कर सकता है ?

साधना की मौत सिर्फ एक हादसा नहीं, एक सवाल है हम सबके सामने-हम अपने बच्चों को क्या दे रहे हैं ? प्यार, समझ और सहारा ? या तनाव, दबाव और भय ? हर माता-पिता को अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की चिंता होती है, यह स्वाभाविक है, लेकिन जब यह चिंता एकतरफा महत्वाकांक्षा में बदल जाती है, तो यह बच्चे के लिए बोझ बन जाती है। कोई भी बच्चा किसी परीक्षा में असफल हो सकता है। जरूरी नहीं कि वह कमज़ोर है, हो सकता है वह किसी और क्षेत्र में असाधारण प्रतिभा रखता हो। हर बच्चा एक जैसा नहीं होता, न ही होना चाहिए। दरअसल, जब हम उन्हें अपने अधूरे सपनों का माध्यम बना देते हैं, तो वह उनकी नहीं, हमारी लड़ाई बन जाती है। और इस लड़ाई में बच्चे अक्सर अकेले पड़ जाते हैं।

धोंडीराम भोसले का पेशा शिक्षक का था,जो शिक्षा देता है, सहारा बनता है, रोशनी दिखाता है। लेकिन जब वही व्यक्ति अपनी बेटी की मौत का कारण बन जाए, तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पराजय भी है। शिक्षक केवल स्कूल में नहीं, घर में भी एक प्रेरणा होता है। अगर वह ही परफॉर्मेंस के आधार पर अपने बच्चे को स्वीकार या अस्वीकार करने लगे, तो समाज की रीढ़ ही चरमरा जाती है। बच्चों को दिशा दिखाना माता-पिता का धर्म है, लेकिन रास्ता तय करना बच्चों का अधिकार। उन्हें अपने फैसले लेने दें, गिरने दें, सीखने दें। अगर वे डॉक्टर न बनें, लेकिन एक संवेदनशील लेखक, सच्चे किसान, ईमानदार दुकानदार, या प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता बनें, तो क्या वह कम है? हमें यह समझना होगा कि हर सफलता सामाजिक प्रतिष्ठा से नहीं, आत्म-संतोष से तय होती है। और हर असफलता जीवन का अंत नहीं, एक नया मोड़ हो सकती है,अगर साथ में किसी का विश्वास हो, सहारा हो। यह घटना किसी एक पिता की गलती नहीं है। यह पूरे समाज के लिए एक दर्पण है। कोचिंग सेंटर, स्कूल, परिवार, रिश्तेदार, सभी मिलकर जिस तरह बच्चों पर सफलता का बोझ डालते हैं, वह बेहद अमानवीय है। बेटी साधना अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन उसकी मौत एक ऐसा प्रश्न छोड़ गई है, जिसे हर माता-पिता को, हर शिक्षक को, हर समाज को अपने भीतर झांक कर देखना चाहिए? कि क्या हम बच्चों को प्यार कर रहे हैं, या सिर्फ परफॉर्मेंस पर आधारित स्वीकार्यता दे रहे हैं ? उन्हें उडने़ दीजिए। उनका आसमान उन्हें खुद तलाशने दीजिए। आपका दायित्व केवल इतना है कि जब वे गिरें, तो आपका हाथ उनके लिए उठा हुआ हो,न कि डंडा। क्योंकि उड़ान बच्चों की होती है और उन्हें उडने़ देना ही एक सच्चे अभिभावक की पहचान है।

कंगना शर्मा का ब्लैक मिनी ड्रेस में दिखा बोल्ड अवतार

एक्ट्रेस कंगना शर्मा अपने स्टाइल और ग्लैमरस लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह ब्लैक मिनी ड्रेस में बेहद बोल्ड और अट्रैक्टिव नजर आ रही हैं। उनका ये लुक फैंस को इतना पसंद आ रहा है कि पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। ब्लैक रफल्ड टेक्सचर्ड मिनी ड्रेस में कंगना शर्मा का यह लुक काफी स्टनिंग लग रहा है। ओपन हेयर, न्यूड मेकअप और कॉन्फिडेंट पोज़ ने उनके इस लुक को और भी खास बना दिया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट को भी टैग कर उनका आभार जताया है।

कंगना शर्मा का ये लुक इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस उन्हें गॉर्जियस, हॉट और स्टनिंग जैसे कॉम्प्लीमेंट्स दे रहे हैं। उनकी ये तस्वीरें एक बार फिर साबित करती हैं कि कंगना सिर्फ एक अच्छी एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि एक फैशन दीवा भी हैं। गौरतलब है कि कंगना शर्मा वेब सीरीज़ और म्यूज़िक वीडियो के जरिए दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुकी हैं। अब उनके फैशन सेंस और बोल्ड अंदाज ने भी उन्हें इंस्टाग्राम सेंसेशन बना दिया है।

हाउस ऑफ हिमालयास उत्पादों के ब्रांडिंग पर जोर दिया जाये: जोशी

संवाददाता

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयास के अंतर्गत तैयार उत्पादों की पैकेजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए।

आज यहां प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने अपने कैंप कार्यालय में ग्राम्य विकास विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मंत्री जोशी ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

ग्राम्य विकास मंत्री ने हाउस ऑफ हिमालयास, मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना और ग्रोथ सेंटर जैसी गेम चेंजर योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउस ऑफ हिमालयास के अंतर्गत तैयार उत्पादों की पैकेजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि इन उत्पादों को देश के साथ-साथ विदेशों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने मसूरी और नैनीताल में मोमबत्ती निर्माण जैसे इनोवेटिव कार्यों को अधिक से अधिक महिला एवं स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मिलेट्स आधारित बेकरी उत्पादों जैसे मिलेट्स रस और अन्य नए उत्पादों के विकास की दिशा में तेजी लाने को भी कहा। काबीना मंत्री ने कहा कि ग्राम्य विकास के लिए स्थानीय उत्पादों का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयास जैसी पहल ग्रामीण महिलाओं और युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में प्रदेश में कुल 49 ग्रोथ सेंटर संचालित हो रहे हैं, जो ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।उन्होंने बताया कि देश में उत्तराखंड लखपति दीदी बनाने में सबसे आगे है। बैठक में ग्राम्य विकास विभाग की अपर सचिव झरना कमठान, उपायुक्त एके राजपूत, प्रदीप पाण्डे सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गौसारी गजा जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी को उक्रांद ने दिया सर्मथन

संवाददाता

टिहरी। उत्तराखण्ड क्रांति दल ने गौसारी गजा से जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी को अपना समर्थन दिया।

आज यहां गौंसारी गजा जिला पंचायत सदस्य पद की प्रत्याशी श्रीमती ममता असवाल को उत्तराखंड क्रांति दल ने दिया समर्थन (उत्तराखंड आंदोलन में शहीद बेलमति चौहान के स्मारक पर माल्यार्पण कर की घोषणा) गजा (टिहरी) विकास खंड चम्बा की गौंसारी गजा जिला पंचायत क्षेत्र से मूल निवास भू कानून संघर्ष समिति की प्रत्याशी श्रीमती ममता असवाल को उत्तराखंड क्रांति दल के पदाधिकारियों ने समर्थन दिया है, उत्तराखंड क्रांति दल के संगठन महामंत्री रिटायर कर्नल सुनील कोटनाला के साथ आये पदाधिकारियों ने गजा पहुंचकर शहीद बेलमति चौहान के स्मारक पर माल्यार्पण किया, स्मारक स्थल पर श्रीमती प्रमिला रावत, श्रीमती सरस्वती देवी, नैना लखेडा, रिटायर कैप्टन राकेश ध्यानी, महिपाल पुंडीर, बीर सिंह पंवार ने कहा कि यू. के. डी. उन सभी प्रत्याशियों का समर्थन करती है जो यहाँ के जल, जंगल, जमीन, रोजगार, भ्रष्टाचार की लड़ाई लड रहे हैं। संगठन महामंत्री रिटायर कर्नल सुनील कोटनाला ने कहा कि कांग्रेस व भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के 25 सालों बाद भी जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सडक, पेयजल, मूल निवास, भू कानून के लिए संघर्ष करना पड रहा है, सरकार भू माफियाओं के इसारे पर है। भू माफियाओं ने सैकड़ों बीघा वन भूमि पर कब्जा कर लिया है, मूल निवास को स्थाई निवास बना कर उत्तराखंड के लोगों का हक छीना गया है। उन्होंने कहा कि गौंसारी गजा जिला पंचायत सीट से श्रीमती ममता असवाल को हमारा समर्थन है। रिटायर कैप्टन राकेश ध्यानी ने कहा कि सैनिक देश की सुरक्षा के लिए लडा है अब राज्य मे भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। श्रीमती सरस्वती देवी ने कहा कि मूल निवास हमारा हक है, संचालन श्रीमती प्रमिला रावत ने किया। इस अबसर पर मूल निवास भू कानून संघर्ष समिति के चम्बा ब्लॉक सह संयोजक बिलेंदर सिंह असवाल, महाबीर सिंह असवाल व अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

सफल कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन प्रयासरत

हमारे संवाददाता

टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल क्षेत्रान्तर्गत कांवड़ यात्रा मार्गों पर सावन के पहले सोमवार से कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसको देखते हुए जिला प्रशासन भी कावड़ यात्रा रूट पर सख्ताई से यात्रा को सफल व सुगम बनाने के लिए प्रयासरत है।

सावन के पहले सोमवार के बाद भोले के भक्त पैदल कांवड़ और दो पहिया कांवड़ लेकर सीधे हरिद्वार से होकर ऋषिकेश पहुंच रहे हैं। बड़े वाहनों में आ रहे डाक कांवड़ियों को जिला प्रशासन टिहरी द्वारा जनपद सीमान्तर्गत चंद्रभागा पुल के समीप बनी पार्किंग में रोका जा रहा है। वहीं दो पहिया वाहनों की डाक कांवड़ मुनिकीरेती, ढालवाला और भद्रकाली से होते हुए राम झूला की पार्किंग में रोकी जा रही है। वाहनों की अत्यधिक भीड़ के दृष्टिगत टिहरी पुलिस प्रशासन ने ब्रह्मानंद तिराहे के समीप खारास्रोत में भी पार्किंग व्यवस्था की गई है।

जनपद में जगह-जगह पुलिस की सहायता हेतु कैनोपी के माध्यम से कांवड़ यात्रा को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है, ताकि आम जनमानस को आवागमन में कोई दिक्कत न हो। वहीं ढालवाला, मुनिकीरेती, चंद्रभागा, भद्रकाली, शिवपुरी और गरुड़चट्टी पुल के समीप लगे लगभग 56 सीसीटीवी कैमरों की मदद से ढालवाला में स्थापित वायरलेस कंट्रोल रूम से कांवड़ यात्रा रूट पर पैनी नजर रखी जा रही है। कहीं भी अव्यवस्था की सम्भावना दिखते ही सुव्यवस्थित यात्रा संचालन के निर्देश मौके पर दिए जा रहे हैं तथा पुलिस प्रशासन द्वारा सख्ती से भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा है। इसके साथ ही लक्ष्मण झूला और राम झूला के समीप घाटों से जल भर रहे कांवड़ियों को नदी से उचित दूरी बनाए रखने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं तथा गंगा नदी किनारे जल पुलिस भी मौके पर मौजूद है।

ग्रेटर नॉएडा से आए पांच कांवड़ियों की टोली ने गंगा में स्नान कर गंगाजल लेकर नीलकंठ महादेव के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जगह-जगह लगाई गई पुलिस कैनोपी से उन्हें यात्रा रूट की सही जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इस बार की कांवड़ यात्रा भव्य और सुचारू रूप से संचालित हो रही है। कांवड़ियों के लिए खाने-पीने, स्वास्थ्य सुविधा, शौचालय एवं अन्य सभी व्यवस्थाएं की गई है। इस मौके पर उनके द्वारा कांवड़ यात्रा पर आने वाले कांवड़ियों से यातायात के नियमों का पालन करते हुए कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में अपनी भागीदारी निभाने का अनुरोध किया गया

उत्तर भारत में पहाड़ों पर बारिश से तबाही

अजय दीक्षित

उत्तर भारत में विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से तबाही का मंजर देखने को मिलता है और यह प्रतिवर्ष होता है। उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश सड़क,भवन,रास्तों,को भारी नुक्सान होता है। जुलाई, अगस्त, सितंबर,में उत्तरकाशी, गढ़वाल,टिहरी, रानीखेत, अल्मोड़ा,मंडी, बिलासपुर, शिमला, नैनीताल, देहरादून आदि जिलों में भीषण तबाही होती है।यह सिलसिला विगत तीस साल से बढ़ा है क्योंकि इन क्षेत्रों में तीस लाख पेड़ विकास के नाम पर दस साल में काटे गए हैं। बेहतासा बढ़ते पर्यटन को देखते हुए इन क्षेत्रों में सरकारों ने सड़कों का निर्माण किया है और व्यवसायियों ने होटलों का निर्माण किया है। अकेले शिमला, नैनीताल में 2०० होटल है जिनसे पहाड़ों पर वजन बढ़ा है और वारिस के दिनों लैंड स्लाइड्स का खतरा भी हजारों प्रतिशत बड़ा है।भवनों ,बाजारों में अतिक्रमण हो गया है जो पूरे भारत की लाइलाज बीमारी है।

पर्वतीय क्षेत्र शोध संस्थान देहरादून के जलवायू शोध कर्ता एस जयशंकर कहते हैं कि पहाड़ों पर हरित क्षेत्रों के चलते यहां नमी अधिक रहती है इसके अलावा तापक्रम भी कम रहता है इस कारण वारिस बहुत और तेज होती है । कुमायूं और गढ़वाल दोनों स्थानों पर औसत बारिश 2००० मिली मीटर के आसपास है।वारिस के दिनों पानी 3००० मीटर की ऊंचाई से आता है और उसकी ग्रैविटी अधिक होती है जो भूस्लखन का कारण बनती है।पहाड़ कच्चे है जियोलॉजी की भाषा में डिसेंट्रीग्रेटेड रॉक है ।भवनों, सुरंगों,सड़कों के निर्माण के कारण पहाड़ पोली या दरक गए हैं और पानी के तेज बहाव से गिर जाते हैं।कभी कभी पानी भारी सिल्ट लेकर बहते हैं जैसा पिछली बार ब्यास नदी ने मनाली में तबाही मचाई थी। पहाड़ों के दूर दराज के गांव में लैंड स्लाइड्स नहीं होते हैं क्योंकि वे सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर भवन पगडंडी, पुल बनाते हैं जिसमें अधिकतर लकड़ी के हल्के होते हैं। लेकिन पूरे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं। पूरे जम्मू कश्मीर में हालत इतने खराब नहीं जितने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में हैं उसका कारण है कि घाटी में पचास साल से तो विकास नहीं हुआ क्योंकि वहां पर आतंकवाद था पर्यटकों का आना जाना नहीं था। तो विकास भी नहीं हुआ। कश्मीर घाटी में अगर श्री नगर को छोड़ दें तो वहां सभी मकान लकड़ी के है। पूरा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश भूकंप की जद में है।क्योंकि इन क्षेत्रों की टाइटेनिक प्लेट का खिसकने का खतरा बढ़ गया है।अगर कभी भूकंप 8 रैकेटियर स्केल पर आ गया तो तबाही मचा देगा। बांधो के निर्माण से भी खतरा बढ़ गया है।

घुंघराले बालों को उलझन से बचाने को अपनाएं ये तरीके

मानसून के मौसम में घुंघराले बालों में उलझन की समस्या बढ़ जाती है। बारिश और नमी के कारण बालों की प्राकृतिक नमी कम हो जाती है, जिससे वे उलझ जाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ प्राकृतिक उपाय बताएंगे, जिनसे आप अपने घुंघराले बालों को उलझन से बचा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप मानसून के दौरान अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं। नारियल का तेल बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों को पोषण देता है और उनकी नमी बनाए रखता है। मानसून के दौरान नियमित रूप से नारियल के तेल से सिर की मालिश करें। इससे बाल मुलायम बने रहते हैं और उनमें उलझन की समस्या कम होती है। इसके अलावा नारियल का तेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है और उन्हें टूटने से बचाता है। सप्ताह में दो बार नारियल के तेल से मालिश करें। एवोकाडो में वो तत्व होते हैं जो बालों की वृद्धि के लिए जरूरी होते हैं। शहद प्राकृतिक नमी देने वाला होता है जो बालों को नमी प्रदान करता है। इन दोनों को मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे अपने सिर पर लगाएं। 2० मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपके बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ रहेंगे। यह मास्क बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। एलोवेरा जेल त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं, जो बालों को ठंडक पहुंचाते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं। नींबू का रस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो बालों की मजबूती बढ़ाता है। दोनों को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें और इसे अपने सिर पर लगाएं। 15 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपके बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ रहेंगे। मानसून में बाल धोने के लिए ठंडा पानी न इस्तेमाल करें क्योंकि इससे बाल कमजोर हो सकते हैं। इसके बजाय गुनगुने पानी का उपयोग करें, जिससे बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचता है और वे टूटने से बचते हैं। इन प्राकृतिक उपायों को अपनाकर आप मानसून के दौरान अपने घुंघराले बालों को उलझन से मुक्त रख सकते हैं और उन्हें स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इन फलों को फ्रिज में न रखें, स्वाद और पोषण हो सकता है प्रभावित

फल और सब्जियां सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं और इनका सेवन किसी भी रूप में किया जा सकता है। इनका सेवन कच्चा, सलाद, जूस और स्मूदी के रूप में किया जा सकता है। हालांकि, कई लोग फल को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फल के बारे में बताते हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

केले

केले एक ऐसा फल है, जिसे ठंडे तापमान में रखने से बचना चाहिए। केले को फ्रिज में रखने से इसका स्वाद बिगड़ सकता है और पोषक तत्व कम हो सकते हैं। इसके अलावा ठंड के कारण केले के छिलके पर काले धब्बे पड़ जाते हैं। ये धब्बे हानिकारक नहीं होते, लेकिन केले की ताजगी खराब कर सकते हैं और खाने की इच्छा कम कर सकते हैं। बेहतर होगा कि आप केले को किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

तरबूज

तरबूज को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। ठंडा तापमान तरबूज की मिठास को कम कर सकता है और इसका स्वाद बिगड़ सकता है। इसके अलावा ठंड के कारण तरबूज के गूदे में दरारें पड़ जाती हैं, जिससे उसका रस निकलने लगता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। तरबूज को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए इसे किसी ठंडी जगह पर रखें ताकि इसका स्वाद और पोषण बरकरार रहे।

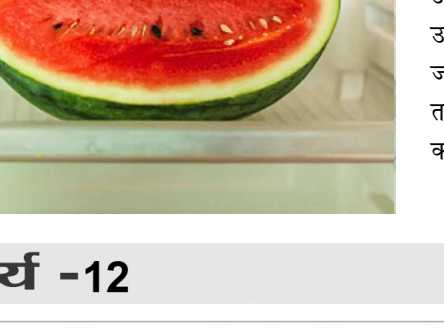

पपीता

पपीता को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। ठंडा करने से पपीते का स्वाद बिगड़ सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। पपीते में मौजूद तत्व भी ठंड के कारण प्रभावित होते हैं, जिससे उसका स्वाद बिगड़ सकता है। इसके अलावा पपीते को फ्रिज में रखने से इसके पोषक तत्व भी कम हो सकते हैं इसलिए पपीते को किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

लीची

अगर लीची को फ्रिज में रखा जाए तो इसके कारण लीची का स्वाद और ताजगी दोनों ही बिगड़ जाते हैं। इसके अलावा लीची को फ्रिज में रखने से इसके पोषक तत्व भी कम हो सकते हैं। अगर आप लीची को लंबे समय तक ताजा, स्वादिष्ट और पौष्टिक रखना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रखने की बजाय किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

आम

आम को भी ठंडे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। ठंडा तापमान आम का स्वाद कम कर सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। इसके अलावा ठंड के कारण आम के गूदे में दरारें पड़ जाती हैं, जिससे उसका रस निकलने लगता है और वह जल्दी सड़ सकता है। आम को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए इसे घर की किसी ठंडी जगह पर रखें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -12

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

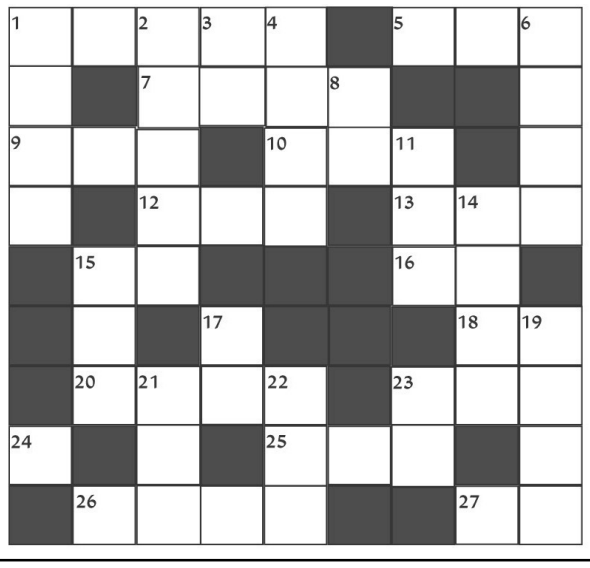

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 11 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

आमिर खान की साउथ सिनेमा में धमाकेदार एंट्री!

सितारे जमीन पर के बाद, आमिर खान रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म कूली में कैमियो करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार अपनी तमिल डेब्यू फिल्म में दाहा का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक रिलीज कर दिया है और इंटरनेट पर लोग इसे देखकर हैरान रह गए। आमिर खान का ब्लैक बनियान पहने, स्टाइलिश स्वैग से सिगार पीते हुए, धांसू लुक इंटरनेट पर छाया हुआ है। यह किरदार उनके हाल के वर्षों में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग लुक है। एक्स पर पोस्ट की गई एक मोनोक्रोम तस्वीर में उनका साइड प्रोफाइल लुक जिसमें वे चश्मा पहने हुए हैं, शेयर किया गया है। इसके साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा, कूली की दुनिया से आमिर खान को दाहा के रूप में पेश करते हुए कूली 14 अगस्त से दुनिया भर के आईमैक्स स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार है।

कूली से सामने आए आमिर के इस लुक ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। दर्शकों को आमिर का यह लुक खूब पसंद आ रहा है। एक यूजर ने कमेंट किया, आमिर का यह मास अवतार वाकई कमाल का है। एक ने लिखा, क्या स्वैग है। एक ने कमेंट किया, क्या एटीट्यूड और स्वैग है, दाहा के लिए एकदम परफेक्ट। एक ने कमेंट किया, यह फिल्म एकदम ब्लॉकबस्टर होने वाली है। हाल ही में आमिर ने रजनीकांत में अपने होने की पुष्टी की थी, उन्होंने बताया था कि वह इस फिल्म को करने के लिए इसलिए माने क्योंकि वे रजनीकांत के बहुत बड़े फैन हैं। कूली में उनके कैमियो के बारे में एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए आमिर खान ने कहा, मुझे यह करने में बहुत मजा आया। मैं रजनी सर का बहुत बड़ा फैन हूं। मेरे मन में रजनी सर के लिए बहुत प्यार और सम्मान है। इसलिए, मैंने स्क्रिप्ट भी नहीं सुनी। जब लोकेश ने मुझे बताया कि यह रजनी सर की फिल्म है और वह चाहते हैं कि मैं इसमें कैमियो करूं, तो मैंने कहा, ठीक है, मैं इसे कर रहा हूं, जो भी हो, मैं इसे कर रहा हूं। इस बीच आमिर खान लाल सिंह चड्ढा के तीन साल बाद सितारे जमीन पर के साथ फिल्मों में लौटे, इस फिल्म में उनके साथ जेनेलिया देशमुख और 10 ऐसे एक्टर्स हैं जिन्होंने पहली बार बड़ी स्क्रीन पर परफॉर्मेंस दी। कूली एक तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है जिसे लोकेश कनगराज ने निर्देशित और सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। रजनीकांत फिल्म में लीड रोल में हैं, उनके साथ सौबिन शाहिर, नागार्जुन, श्रुति हासन, सत्यराज और उपेंद्र अहम रोल में हैं। कूली को 2025 में दुनिया भर में वर्ल्डवाइल्ड और आईमैक्स में रिलीज किया जाएगा।(आरएनएस)

कृष 4 में 3 अलग-अलग भूमिका निभा रहे ऋतिक रोशन!

जब से ऋतिक रोशन ने अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी कृष की चौथी किस्त की घोषणा की है, प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। खास बात यह है कि कृष 4 के निर्देशन की कमान ऋतिक खुद संभाल रहे हैं। इस फिल्म के जरिए वह मनोरंजन जगत में बतौर निर्देशक कदम रखने जा रहे हैं। ऋतिक फिल्म में अभिनय भी करेंगे। अब ताजा खबर यह है कि कृष 4 में ऋतिक का डबल नहीं, बल्कि ट्रिपल रोल होने वाला है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कृष 4 में ऋतिक तीन अलग-अलग किरदारों के जरिए अपनी उम्दा अदाकारी का दमखम दिखाते नजर आएंगे। एक सूत्र ने कहा, योजना यह है कि कृष को एक बड़े खतरे को खत्म करने के लिए अलग-अलग समय सीमाओं, अतीत और भविष्य में लाया जाएगा।

वीएफएक्स और प्रोडक्शन होने के बावजूद फिल्म पारिवारिक भावनाओं और रिश्तों पर आधारित रहेगी। कृष 4 के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम इन दिनों यशराज फिल्म्स स्टूडियो (वाईआरएफ) में चल रहा है। कृष 4 की शूटिंग 2026 में शुरू हो जाएगी। फिलहाल फिल्म की कहानी पर काम किया जा रहा है। राकेश रोशन और संजय मासूम मिलकर फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं, वहीं आदित्य चोपड़ा फिल्म के निर्माता हैं। ऋतिक में कृष 4 के अलावा प्रियंका चोपड़ा और प्रीति जिंटा अहम भूमिका निभा सकती हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो कृष 4 में अहम भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने अभिनेत्री नोरा फतेही से भी संपर्क किया है। कृष फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म थी कोई मिल गया जो 2003 में आई थी। इसने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया था। इसके बाद साल 2006 में कृष और 2013 में कृष 3 रिलीज हुईं। कृष में प्रियंका चोपड़ा, रेखा और नसीरुद्दीन शाह जैसे दिग्गज कलाकार नजर आए थे, वहीं कृष 3 में कंगना रनौत, विवेक ओबेरॉय और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आए थे। इस सीरीज की पिछली तीनों फिल्मों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है।

एक नई भाषा में काम करना मेरे लिए चुनौती थी: मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म ओहो एंथन बेबी के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था।

मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था।

लिटिल थिंग्स, कारवां और चॉपस्टिक्स के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था।

बता दें कि तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी में मिथिला के अगेंस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था। पोस्टर में अभिनेत्री लाल रंग की ड्रेस पहने नीचे बैठे अभिनेता रुद्र द्वारा पकड़े गए कैमरे के सामने पोज देती दिखाई दे रही हैं।

कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी ओहो एंथन बेबी में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा।

मिथिला ने ओहो एंथन बेबी की शूटिंग पूरी करने के बारे में कहा, यह यात्रा वास्तव में मेरे लिए खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला।

उन्होंने कहा, तमिल में लाइनें सीखना भले ही मेरे लिए एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसमें हर पल का भरपूर आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मेरा अच्छे से स्वागत किया और मुझे बिल्कुल घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं यह भाषा नहीं बोल पाती थी।

गोल्डन ड्रेस में सोनल चौहान ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

एक्ट्रेस सोनल चौहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। गोल्डन बॉडीकॉन ड्रेस में सोनल का यह फोटोशूट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इन तस्वीरों में सोनल चौहान गोल्डन शिमरी ड्रेस में नजर आ रही हैं, जो उनकी फिगर को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट कर रही है। रेड बैकग्राउंड और सॉफ्ट लाइटिंग में खिंची गई इन तस्वीरों ने उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कैप्शन लिखा - अगर आपको इनमें से एक तस्वीर हटानी हो तो आप कौन सी तस्वीर हटाएंगे?? लेकिन फैंस का कहना है कि इन तस्वीरों में से कोई भी डिलीट नहीं होनी चाहिए क्योंकि ये सभी शुद्ध सोना हैं।

एक यूजर ने कमेंट किया - क्या तुम मजाक कर रहे हो? यह शुद्ध सोना है। इसे कभी मत हटाना! वहीं कई फैंस ने हार्ट और फायर इमोजी के साथ उनके इस लुक की जमकर तारीफ की है। ड्रेस के साथ-साथ सोनल के मेकअप, हेयर और ज्वेलरी की भी खूब चर्चा हो रही है। उन्होंने अपने लुक को ईयररिंग्स, एक हाथ में ब्रैसलेट और सॉफ्ट कर्ल हेयरस्टाइल के साथ कम्प्लीट किया है। यह फोटोशूट फ़राज़दाक स्टूडियो द्वारा शूट किया गया है और ड्रेस सोनाक्षीराज की है, ज्वेल्स ञ्च सहगलज्वेल्स, हेयर ञ्च चेट्टियार्क्वींसली और शूज़ गिनाशूजऑफिशियल की हैं।

सोनल चौहान का यह ग्लैमरस अवतार एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं।

वन पट्टों के फौती और नामांतरण की प्रक्रिया अब आसान

जीएस केशरवानी

छत्तीसगढ़ सरकार की नई पहल से वन पट्टों के फौती नामांतरण की प्रक्रिया सरल और व्यवस्थित हो गई है। किसी पट्टाधारी की मृत्यु के बाद उसके वैध वारिसों को अधिकार अब आसानी से मिल रहा है। वारिसों के नाम पर पट्टा दर्ज होने से वे न केवल भूमि के वैधानिक स्वामी बन पा रहे हैं, बल्कि शासकीय योजनाओं का लाभ भी उन्हें सुलभता से मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रत्येक वनभूमि पट्टाधारी परिवार को उसका पूरा हक और सम्मान दिलाना, हमारी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

देश में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कुल 23 लाख 88 हजार 834 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रो का वितरण मार्च 2025 तक किया गया है, इनमें छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 4 लाख 82 हजार 471 व्यक्तिगत वन पत्रधारक हैं। राज्य में वन पट्टाधारकों की यह संख्या देश में सर्वाधिक है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 का क्रियान्वयन वर्ष 2008 से देश में हो रहा है लेकिन इस अधिनियम में वन अधिकार पत्रधारक की मृत्यु होने की दशा में उनके विधिक वारिसानों को भूमि के नामांतरण के संबंध में प्रक्रिया नहीं होने के कारण नामांतरण नहीं हो पा रहा था साथ ही उन्हें शासन के योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर इस कठिनाई को दूर करने के लिए तथा वंशजों का नाम पर काबिज वनभूमि का हस्तांतरण एवं राजस्व तथा वन अभिलेखों में दर्ज करने का निर्णय लिया। वन पट्टों के फौति-नामांतरण की सरल प्रक्रिया तय की गई है। अकेले छत्तीसगढ़ में ही 11 हजार 600 से अधिक वंशजों के आवेदन इसके लिए प्राप्त हुए हैं, जिन्हें प्रक्रिया के अभाव में नामांतरण के लिए भटकना पड़ रहा है। राज्य सरकार के इस निर्णय से अब उन्हें उनकी समस्या का निदान मिल गया है।

ऐसे लोगों को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मोर जंगल, मोर जमीन, मोर वन अधिकार के माध्यम से वनों में निवास करने वाली अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परपरागत वन निवासियों द्वारा काबिज पैतृक भूमि पर वन अधिकारों की मान्यता प्रदान की जा रही है। साथ ही पत्रधारकों के अभिलेख दुरुस्तीकरण एवं डिजिटलाईजेशन, नामांतरण, सीमांकन, खाता विभाजन संबंधी कार्य सुगमता से हो रहा है। राज्य में नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, त्रुटि सुधार एवं अपील के अंतर्गत अब तक प्राप्त 11623 आवेदनों में से 3800 आवेदनों का निराकरण किया गया है। इसके फलस्वरुप विधिक वारिसान जो विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा अन्य सुविधा से वंचित थे, उन्हे अब पीएम किसान सम्मान निधि, धान खरीदी आदि का लाभ भी मिल रहा है।

नामांतरण प्रक्रिया

नामांतरण की प्रक्रिया के अंतर्गत वन अधिकार मान्यता पत्रधारक का निधन होने पर कैफियत कॉलम में दर्ज प्रविष्टि में संशोधन किया जाता है। विधिक वारिसानों के मध्य वन अधिकार पत्र की वन भूमि के बंटवाने की प्रक्रिया- वन अधिकार मान्यता पत्रधारी के जीवनकाल में उनके द्वारा प्रस्तावित या उसकी मृत्यु के उपरांत विधिक वारिसानों के मध्य खाता विभाजन करने की सुविधा दी जा रही है। सरकारी नक्शों में मान्य वन अधिकारों के सीमांकन की कार्रवाई की जाती है। संबंधित विभागों के अभिलेखों में वन अधिकारों को दर्ज करना किया जाता है। वन अधिकार पुस्तिका आदि अभिलेखों में त्रुटि का निराकरण भी किया जा रहा है।

वन अधिकार पत्रों का डिजिटाइजेशन

वन अधिकार पत्रों को डिजिटाईज कर ऑनलाईन उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिमोट सेन्सिंग एवं जीआईएस तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है। वन पट्टों के साथ अन्य जानकारी जैसे आधार, जनधन खाते, जॉब कार्ड आदि की जानकारी भी जोड़ी जा रही है। इससे व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रधारक को न केवल अधिकार संबंधित सभी जानकारी सहजता से मिल रही है, बल्कि किसी वन अधिकार पत्रधारक के पास वन अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है तो वह इसे ऑनलाईन प्राप्त कर रहे हैं।

डिजिटलाईजेशन के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार के 4 लाख 82 हजार 471 पत्र धारकों में से 3 लाख 40 हजार 129 के स्कैनिंग अपलोडिंग का कार्य किया जा चुका है, जिसका लाभ पीढ़ियों तक वन अधिकार पत्रधारक एवं उनके वंशजो को मिलता रहेगा।

वन अधिकार पट्टों का क्रियान्वयन

छत्तीसगढ़ में व्यक्तिगत वन अधिकार के अंतर्गत 4 लाख 82 हजार 471 वनपट्टे वितरित किए गए हैं इसी प्रकार सामुदायिक वनधिकार के अंतर्गत 48 हजार 249 और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार 4 हजार 396 पट्टों का वितरण किया गया है।

लेखक उप संचालक हैं

ट्रंप को नोबेल नामित!

पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश नोबेल शांति पुरस्कार-2026 के लिए की है। हालांकि ट्रंप ने कहा है कि वह कुछ भी कर लें उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।

ट्रंप पिछले दिनों भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद के बाद कई दफा दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रुकवाया था। हालांकि भारत सरकार ने उनके इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

पिछले दिनों ट्रंप ने पाकिस्तान के कथित फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दावत पर बुलाया था और उसके तीन दिन बाद ही शनिवार को पाकिस्तान सरकार ने कहा कि भारत के साथ संघर्ष में ट्रंप का हस्तक्षेप एक वास्तविक शांतिदूत के रूप में उनकी भूमिका और बातचीत के माध्यम से संघर्ष समाधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ट्रंप ने हाल के समय में कई जगहों पर संघर्षरत देशों के बीच संघर्ष समाप्त करने में पहल की बातें कही हैं।

रूस-यूक्रेन के बीच काफी समय से चले आ रहे युद्ध को रुकवाने की भी कोशिश की। यूक्रेन के राष्ट्रपति को बुला कर झिड़का भी, लेकिन युद्ध अभी तक थमा नहीं है। ट्रंप ने कहा कि वह कांगो और रवांडा के बीच संघर्ष को रोकने लिए अद्भुत संधि करा रहे हैं।

ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा को अरसे से अपने दिल में पाले हुए हैं, लेकिन वैश्विक घटनाक्रम के मद्देनजर उनकी लालसा पूरी होती दिखलाई नहीं पड़ रही। बीते चौबीस घंटे का घटनाक्रम तो एकदम से उनकी इच्छा पर कड़ा आघात करने वाला रहा।

अमेरिका ने युद्धरत ईरान और इजरायल के बीच तनाव को कम करने की बात तो कही, मगर रविवार तड़के इजरायल की तरफ से ईरान पर बम डाल कर ईरान के तीन सामरिक ठिकाने नष्ट कर दिए। इस हरकत को युद्ध रुकवाने का कार्य तो नहीं ही कहा जा सकता।

शांति तो वार्ता की टेबल पर होती है, लेकिन हमलावर होकर एक पक्ष का साथ देते हुए दूसरे पक्ष को शस्त्रविहीन कर देना शांति स्थापना करार नहीं दिया जा सकता। वैसे भी पाकिस्तान ने भले ही शांति के नोबेल के लिए ट्रंप को नामित करने की बात कही है, लेकिन उसके अपने देश में ही इसका तीव्र विरोध शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजूदत रह चुकीं मलीहा लोधी ने एक्स पर लिखा है कि ट्रंप को नोबेल नामित करने संबंधी सरकार का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.12

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.11 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

हिंदी विरोध की राजनीति क्यों?

अशोक शर्मा

तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में जिस तरह से हिंदी भाषा के खिलाफ विरोध की सियासत तेज़ हुई है, वह न केवल चिंताजनक है, बल्कि देश की भाषिक एकता और सामाजिक सौहार्द के लिए भी एक गंभीर खतरे की घंटी है। त्रिभाषा फॉर्मूले के बहाने, जिस तरह मराठी अस्मिता के नाम पर हिंदी को थोपा गया बताकर विरोध किया जा रहा है, वह तर्क से अधिक राजनीतिक मजबूरी की उपज प्रतीत होती है।

यह विरोध उस राज्य में हो रहा है जिसकी राजधानी मुंबई हिंदी सिनेमा का केंद्र है, जहां लाखों लोग हिंदी बोलते, समझते और लिखते हैं। यही नहीं, महाराष्ट्र के शिक्षा ढांचे में हिंदी की उपस्थिति कोई नई बात नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि अचानक हिंदी विरोध क्यों और किसकेलिए? इसकी पृष्ठभूमि में देखें तो यह राजनीतिक दलों की खोई हुई ज़मीन को फिर से पाने की रणनीति दिखती है।

शिवसेना (उद्धव गुट) और मनसे के लिए मराठी अस्मिता एक भावनात्मक तुरुप का पत्ता रहा है, लेकिन जब यह अस्मिता किसी दूसरी भारतीय भाषा के खिलाफ खड़ी की जाती है, तब यह विचार मराठी संस्कृति का नहीं, बल्कि अवसरवादी राजनीति का प्रतीक बन जाता है। यह विडंबना ही है कि जो नेता कल तक नई शिक्षा नीति को समर्थन दे रहे थे, वही आज उसके खिलाफ प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं।

त्रिभाषा फॉर्मूला देश में भाषाई समरसता को बढ़ावा देने की मंशा से लाया गया था। मातृभाषा, राष्ट्रभाषा और वैश्विक भाषा को समन्वित करने की एक नीति। लेकिन इसमें भी हिंदी की जगह अन्य भारतीय भाषा चुनने का विकल्प सरकार ने दिया है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि इसे थोपना नहीं कहा जा सकता।

बावजूद इसके, हिंदी विरोध की राजनीति यह संकेत देती है कि मुद्दा भाषा नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति है। भाषाएं जोडने का कार्य करती हैं, तोडने का नहीं। दुर्भाग्य से, भारत में राजनीतिक लाभ के लिए भाषाओं को भी खेमों में बांटने की परंपरा बनती जा रही है। जो दल अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूलों का विरोध नहीं करते, वे भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर रहे हैं, यह एक विडंबना है और राष्ट्रीय एकता के लिए गंभीर चुनौती भी।

इस समय आवश्यकता है एक संतुलित दृष्टिकोण की। हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु – हर भाषा हमारी साझी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। इन्हें एक-दूसरे के विरोध में खड़ा करना नहीं, बल्कि साथ लेकर चलना ही भारत की मूल आत्मा है। भाषाएं संस्कृति का आधार हैं, लेकिन जब वे राजनीति का औजार बन जाती हैं, तो केवल संस्कृति ही नहीं, देश भी घायल होता है। बहरहाल, महाराष्ट्र में गैर-मराठी भाषी लोगों की संख्या और प्रतिशत अलग-अलग स्रोतों और अनुमानों के आधार पर भिन्न हो सकती है, लेकिन 2011 की जनगणना के आंकड़ों से कुछ स्पष्ट जानकारी मिलती है।

2011 की जनगणना के अनुसार, महाराष्ट्र की कुल जनसंख्या में से लगभग 69.93 फीसदी लोगों की मातृभाषा मराठी थी। इसका मतलब है कि लगभग 30.07 फीसदी आबादी गैर-मराठी भाषी थी। मुंबई जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में गैर-मराठी भाषी आबादी का प्रतिशत राज्य के औसत से अधिक हो सकता है।

कुछ रिपोर्टों में मुंबई में 40 फीसदी मराठी भाषी और 60 फीसदी गैर-मराठी भाषी होने का भी उल्लेख है, जिसमें हिंदी बोलने वाले सबसे बड़े समूह हैं। जागरूक नागरिकों को इस खेल को पहचानना होगा और भाषाई सद्भाव की उस विरासत को संजोकर रखना होगा, जिसने भारत को विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण बनाया है।

दुर्घटना में 11 कावड़ यात्री घायल

संवाददाता

देहरादून। कांवड यात्रियों के ट्रक पलटने से 11 कांवड यात्री घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर सभी को अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है।

आज प्रात: कांवड यात्रियों को ले जा रहा एक ट्रक, जो रानी पोखरी से ऋषिकेश की तरफ आ रहा था, नटराज चौक से लगभग 3-4 किलोमीटर पहले रानीपोखरी की तरफ काली माता मंदिर के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटने की सूचना कन्ट्रोल रूम के माध्यम से कोतवाली ऋषिकेश को प्राप्त हुयी।

उक्त सूचना पर कोतवाली ऋषिकेश तथा थाना रानीपोखरी से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा तथा मौके पर घायल कांवड यात्रियों को उपचार हेतु ऋषिकेश अस्पताल पहुँचाया गया। मौके पर जानकारी करने पर ज्ञात हुया कि ट्रक जिसमें कुल 28 कावड़ यात्री सवार थे, रानीपोखरी से ऋषिकेश की ओर काली मन्दिर के पास अनियन्त्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना में ट्रक सवार 11 कांवड़ियों को हल्की चोटें आयी है। शेष लोगों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। मौके पर यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। घायलों ने अपने नाम सनी पुत्र ओमप्रकाश, शेखर पुत्र राजेंद्र, प्रवीण पुत्र सतपाल, तरसेन पुत्र रंजीत, रवि पुत्र गुरुविन्दर, रोहित पुत्र सुभाष, वंश पुत्र सिकंदर, विक्रम पुत्र जसपाल,सावन पुत्र सुमेर चंद, रजत पुत्र भगवान दास, नितिन सभी निवासी ग्राम सीमन, जिला कैथल, हरियाणा बताया।

कार से रुपयों से भरा बैग चोरी

संवाददाता

देहरादून । चोरों ने कार से रूपयों से भरा बैग चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड मसूरी रोड निवासी मोद्रिता सेनगुप्ता ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां राजपुर रोड पर किसी काम से आयी थी। उसने अपनी कार गांधी पार्क के निकट शौचालय के बाहर खडी की थी। जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी कार से उसका बैग गायब था। जिसमें उसके रूपये व जरूरी सामान रखा हुआ था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

माता सुरकंडा देवी मन्दिर में चोरी करने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। माता सुरकण्डा मन्दिर में चोरी करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुनायी गयी नगदी व एक चांदी का छतर बरामद किया गया है। आरोपी शातिर किस्म का चोर है जिसके पास से अन्य जगहों से चुराया गया माल भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज चिन्यालीसौड़ नागणी निवासी एक व्यक्ति द्वारा थाना धरासू पर तहरीर देकर बताया गया था कि नागणी में स्थित माता सुरकण्डा देवी मन्दिर में चोरी हुई है। बताया कि 17 जुलाई 2025 को किसी अज्ञात चोर द्वारा मन्दिर का ताला तोड़कर दानपात्र में रखी गयी नकदी तथा चांदी की छतर चोरी कर लिया गया है।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद एक व्यक्ति को देर रात चुरायी गयी नगदी, चांदी का छतर तथा खुखरी सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम कुशाला पुत्र बिशन दास निवासी ग्राम/पट्टी गमरी, चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी बताया। बताया कि उसने इससे पूर्व स्वास्थ्य केन्द्र चमियाली से भी लेपटॉप व म्यूजिक सिस्टम चोरी किया था। जिस पर पुलिस ने राजस्व उ.नि. को साथ लेते हुये आरोपी की निशांदेही पर उसके गांव गमरी में जाकर चोरी किया गया म्यूजिक सिस्टम बरामद किया गया।

233 पेटी शराब सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। पंचायत चुनाव को लेकर शराब तस्कर कितनी सरगर्मियां दिखा रहे है, इसकी बानगी आज सुबह सामने आयी है। एसटीएफ व विकासनगर पुलिस ने जब सूचना के बाद एक वाहन को रोका तो उसमें भारी मात्रा में चंडीगढ़ मार्का शराब सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं उनके निशानदेही पर सहसपुर में एक अन्य तस्कर की भी शराब सहित गिरफ्तारी हुई है। जिसने पंचायत चुनाव के चलते क्षेत्र में अवैध शराब को एकत्र करने के लिए गोदाम बनाया हुआ था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि एसटीएफ उत्तराखंड को जानकारी मिली थी कि उत्तराखंड में होने जा रहे हैं आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भारी मात्रा में हरियाणा,पंजाब, चंडीगढ़ से अवैध रूप से अंग्रेजी शराब की तस्करी उत्तराखंड के सीमावर्ती जिलों में किए जाने की संभावना है, सूचना पर कार्यवाही करते हुए आज सुबह कुल्हाल बैरियर पर एसटीएफ द्वारा थाना विकासनगर की पुलिस के साथ चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान एक हरियाणा नम्बर की पिकअप गाड़ी को रोककर चेक किया

गया तो उसके अंदर 202 पेटी चंडीगढ़ मार्का शराब बरामद हुई। वाहन सवार दो लोगों को हिरासत में लेने के बाद की

●गिरफ्तार तस्करों में दो हरियाणा के व एक दून का है शामिल

●सहसपुर में गोदाम बनाकर पंचायत चुनाव में की जानी थी सप्लाई

गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम रोहतास पुत्र रामचंद्र निवासी ग्राम मंडाना जिला भिवानी हरियाणा एवं आनंद पुत्र लखीराम ग्राम पोस्ट बड़गांव जिला करनाल हरियाणा बताया। बताया कि फतेहपुर,धर्मावाला थाना सहसपुर के निवासी विजयपाल ने अपने यहां अवैध शराब का गोदाम बनाया हुआ है और वही से वह इस शराब की सप्लाई देहरादून क्षेत्र के अन्य जगहों पर करता है। पकड़ी गई शराब को भी वह लोग विजयपाल को ही देने जा रहे थे। जिस पर एसटीएफ द्वारा थाना सहसपुर पुलिस से संपर्क कर चौकी इंचार्ज धर्मावाला एवं चौकी इंचार्ज हरबर्टपुर को साथ लेकर विजयपाल पुत्र बनारसी लाल के घर पर छापा मारा तो वहां से 31 पेटी अंग्रेजी शराब चंडीगढ़ हरियाणा मार्का बरामद हुई है। दोनो स्थानों से कुल 233 पेटी अंग्रेजी शराब चंडीगढ़,हरियाणा मार्क बरामद की गई है। बहरहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

मकान का ताला तोड जेवरात चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जागृति विहार हर्रावाला निवासी दिल देई ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था। अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से सोने के जेवरात चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। फरार चल रहे कार चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पूर्व में चुरायी गयी कार छोड़कर फरार होने में कामयाब रहा था।

जानकारी के अनुसार बीती एक जुलाई को कोतवाली गंगनहर पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया हुआ था। इस दौरान पनियाला तिराहे से लाठरदेवा जाने वाले रास्ते पर पुलिस ने जब एक संदिग्ध सिलेरियो कार रंग सिल्वर को रोका तो कार चालक कार छोडकर मौके से फरार हो गया। जांच के दौरान पता चला कि उक्त कार चोरी की है। जिस पर पुलिस ने चोर की तलाश शुरू कर दी। कार चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद फरार चल रहे कार चोर को बीती शाम आजादनगर चौक पर डेयरी के सामने रूडकी से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम देवांश रावत पुत्र महिपाल निवासी गढवाल सभा सुभाषनगर कोतवाली गंगनहर रूडकी बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

वृद्धजनों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय से देने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। वृद्धजन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वृद्धों को समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

आज यहां समाज कल्याण विभाग की वृद्धजन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के वृद्ध जनों को ससमय और आसानी से उपलब्ध कराए जाने के संबंध में उत्तराखंड के समस्त जिलाधिकारियों को दिए गए निर्देश। दुर्गम क्षेत्रों में अकेले व असहाय वृद्धों के सामने आ रही दिक्कतों के मद्देनजर संयुक्त नागरिक संगठन के कार्यकारी उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र भट्ट तथा महासचिव सुशील त्यागी कुछ दिन पूर्व मुख्यसचिव आनंद वर्द्धन से मिले थे और सुझाव पत्र दिया था। इसमें इन्होंने उत्तराखंड माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण नियमावली 2011 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने की मांग की थी। अब समाज कल्याण विभाग के सचिव द्वारा 17 जुलाई को जारी निर्देशों, जो राज्य के सभी जिलाधिकारियों को भेजे गए पत्र में कहा गया है की शासन स्तर पर नियमावली के प्राविधानो के प्रकरण पर कृत कार्यवाहियों की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। पत्र में नियमावली 2011 में उल्लिखित प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि राज्य के 69 उपखंडों (परगना) में भरण पोषण अधिकरण का गठन किया जा चुका है जिसके अध्यक्ष उप जिलाधिकारी है,जो उन मामलों में त्वरित एवं सरल प्रक्रिया के माध्यम से न्याय प्रदान करते हैं जहां संतान अथवा उत्तराधिकारी अपनी माता-पिता या बुजुर्गों का वर्णन पोषण करने में असफल रहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा एवं परित्याग को एक संगीन अपराध घोषित करते हुए 5000 रुपए का जुर्माना या तीन माह की सजा या दोनों हो सकते हैं। जारी निर्देशों के अनुसार राज्य के समस्त समाज कल्याण अधिकारियों को भरण पोषण अधिकारी भी पदभिहित किया गया है। निर्देशों में कहा गया हो की नियमावली 2011 के प्राविधानों के अंतर्गत सभी पुलिस थानों में उनके क्षेत्राधिकार में निवास कर रहे वरिष्ठ नागरिकों की अद्यतन सूची रखी जाएगी और संबंधित थाने का प्रतिनिधि हर माह में एक बार इन वृद्धजनों के घर जाएगा तथा इनकी प्रार्थना पर यथाशीघ्र सहायता भी उपलब्ध कराएगा। संगठन के अनुसार राज्य में पलायन से खाली होते दुर्गम गांव में अब कुछ बुजुर्ग ही देखने को मिलते हैं जिनको संसाधनों के अभाव में अपनी बीमारी में सहायता की जरूरत होती है और पुलिस कर्मी इनसे मोबाइल के माध्यम से लगातार जुड़े रहकर इनकी तत्काल सहायता कर सकते हैं।

बुजुर्ग दम्पति पहुंचे डीएम न्यायालय, पहली सुनवाई में ही निर्णय

संवाददाता

देहरादून। बुजुर्ग माता-पिता से गिफ्ट डीड में बंगला बिजनेस अपने नाम कर घर से बाहर खदेड़ रहा था अपना ही बेटा, पोते-पोती से मिलने पर रोक लगा दी थी। जिलाधिकारी सविन बसंल ने पहली ही सुनवायी में गिफ्ट डीड को रद्द कर दम्पत्ति को इंसाफ दिलाया।

मिली जानकारी के अनुसार विगत दिवस डीएम ने बुजुर्ग दम्पति जिनके बेटे ने गिफ्ट डीड में सम्पति अपने नाम

❑पीड़ित बुजुर्ग दम्पत्ति को मिला न्याय

करवाकर बुजुर्ग माता-पिता को घर से बाहर कर दिया था। जिस डीएम ने अपने न्यायालय में पहली सुनवाई में ही गिफ्ट डीएड रद्द कर दी थी, डीएम ने आदेशों के अनुपालन में रजिस्ट्री अनुपालन आदेश पास किया है।

जिला प्रशासन देहरादून सामाजिक कर्तव्य से विमुख लोगों को अपनी न्याय प्रणाली से रास्ता दिखा रहा है वहीं असहाय जरूरतमंद लोंगों को त्वरित न्याय मिल रहा है। जिलाधिकारी सविन बसंल की कार्यप्रणाली सदैव असहाय,

बुजुर्ग, महिला बच्चों, जनमानस के हित में रही है। असहाय जरूरतमंदो से जुड़े विषयों पर जिला प्रशासन द्वारा सक्रिय होकर त्वरित निर्णय लिए जा रहे हैं, जिससे जनमानस के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता कर्तव्यनिष्ठा दर्शाता है। बजुर्ग परमजीत सिंह ने अपनी 3080 वर्ग फुट सम्पति जो कि 2 बड़े हॉल है को गिफ्ट डीड में अपने पुत्र गुरूविंदर सिंह के नाम कर दिया था।

गिफ्ट डीड की शर्तों के अनुसार पुत्र को अपने माता-पिता के भरणपोषण एवं माता-पिता के साथ रहने तथा पोते-पोती को दादा-दादी से दूर नही करना था। किन्तु सम्पति नाम होते ही पुत्र ने गिफ्ट डीड में की शर्तों का उल्लंघन कर माता-पिता से दूर रहने लगा तथा पोते-पोती को भी दादा-दादी से मिलने नही दिया गया। बुजुर्ग दम्पति के प्रकरण पर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में विधवत पर्याप्त सुनवाई की गई विपक्षी गुरूविंदर सिंह आदि को नोटिस जारी किया गया एवं विज्ञप्ति के माध्यम से भी सार्वजनिक सूचना प्रसारित की गई इसके बावजूद भी विपक्षी द्वारा न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत नही की गई और ना ही स्वयं उपस्थित हुए। जिस पर फैसला सुनाते हुए गिफ्ट डीड रद्द करते हुए सम्पति को पुनः बुजुर्ग दम्पति के नाम कर दिया। बुजुर्ग माता-पिता से गिफ्ट डीड में बंगला बिजनेस अपने नाम कर अपना ही बेटा उनको घर से बाहर खदेड़ रहा था। डीएम बंसल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए गिफ्ट डीड को ही खारिज करते हुए पूर्ण 3080 वर्ग फीट सम्पति पुनः बुजुर्ग दम्पति के नाम कर दिया है। गिफ्ट डीड शर्तों का उल्लंघन, नाफरमानी पर डीएम न्याय का हथोड़ा चलाते हुए गिफ्ट डीड को कैंसिल कर दिया है। बुजुर्ग दम्पति तहसील, थाना अवर न्यायालय से थकहार डीएम न्यायालय कराया वाद पंजीकृत, पहली ही सुनवाई में बुजुर्ग को इंसाफ मिल गया है। भरणपोषण अधिनियम की विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए डीएम ने बुजुर्ग दम्पति को इंसाफ दिलाया है। आदेश फरमान से डीएम न्यायालय में ही दम्पति के आंसु छलक पड़े। स्पष्टीकरण, पर्याप्त अवसर उपरान्त, आदेशों की नाफरमानी, माता-पिता का तिरस्कार बेटे को भारी पड़ गया।

डीएम के इस फैसले से बुजुर्ग सरदार परमजीत सिंह व उनकी पत्नी अमरजीत कौर को न्याय मिल गया है। गिफ्ट डीड पाकर बेटे ने कर दिया था माता-पिता को सम्पति से बेदखल, पोते-पोती से मिलने पर भी रोक लगा दी थी।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तमंचा भी बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी विकास सिंह ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह बाहर आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने चैकिंग के दौरान चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से तमंचा बरामद कर लिया।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम गौरव पुत्र मांगेराम व अक्षय पुत्र राजवीर निवासी डीबीएस कालेज के पीछे सेलाकुई बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सड़क दुर्घटना में बाईक सवार दो कांवड़ियों की मौत

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना के चलते देर रात बाइक सवार दो कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बाईक सवार दोनों कांवड़िए गंगाजल लेने के लिए यूपी के जनपद संभल से हरिद्वार आ रहे थे। जैसे ही वह चण्डीघाट पुल पर पहुंचे तो उनकी बाईक अनियंत्रित होकर फिसल गयी। जिस कारण दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी। मृतकों की पहचान सुरेश (26) पुत्र भगवान स्वरूप निवासी शाहाबाद थाना बबराला, जिला संभल व अरविंद (30) वर्ष पुत्र सोमपाल निवासी चकरपुर, थाना केला देवी, जिला संभल यूपी के रूप में हुई है। पुलिस में मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है।

हरिद्वार में उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। सावन माह का सबसे प्रमुख धार्मिक उत्सव कावड़ यात्रा अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कांवड़ यात्रा के सबसे पीक चरण में पहुंचने पर प्रशासन की चुनौतियां भी बढ़ गई है। डाक कावड़ों का आज से हरिद्वार में पहुंचना शुरू हो गया है। वहीं पैदल कांवड़ियों की भारी भीड़ इस समय कावड़ यात्रा में उमड़ रही है। ऐसे में कानून व्यवस्था को बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है। आज दोपहर 2 बजे तक लगभग डेढ़ करोड़ से अधिक कांवड़ियों के जल भरकर रवाना होने की खबर है।

डाक कांवड़ के शुरू होने के समय हरिद्वार में कांवड़ियों का सबसे अधिक दबाव होता है तथा सभी मार्गों को कांवड़ियों के लिए खोल दिया जाता है।

हाईवे से लेकर पैदल पटरी मार्गो तक

❑2 बजे तक डेढ़ करोड़ कांवड़िये जल लेकर रवाना

सिर्फ कांवड़िये ही कांवड़िये दिखाई देते हैं। कावड़ यात्रा के दौरान यह पड़ाव सबसे अधिक मुश्किल भरा रहता है एक तरफ जहां पैदल कांवड़ियों का दबाव अधिक रहता है तो वही डाक कांवड़ियों के आने से कांवड़ियों की संख्या में भारी वृद्धि हो जाती है। आने वाले 2 दिन अधिक भीड़भाड़ वाले रहने वाले हैं।

क्राउड कंट्रोल इस दौरान प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती हो जाता है भक्ति में मगन कांवड़िये अपनी ही धुन में नाचते गाते दिखाई देते हैं और श्रद्धालुओं की भीड़ का यह रेला जिधर भी चल पड़ता है उधर चल पड़ता है। उसे रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो जाता है भले ही प्रशासन पार्किंग से लेकर आने-जाने के सभी रूट पहले से ही तय कर देता हैं लेकिन भीड़ के आगे व्यवस्था चंद मिनटों में ही ध्वस्त हो जाती है। प्रशासन इस भीड़ को कंट्रोल करने में असमर्थ रहता है। यही कारण है कि उसके पसीने छूट जाते हैं। 22 जुलाई की शाम तक हरिद्वार में कांवड़ियों की भारी भीड़ रहेगी जिसे संभालना एक गंभीर चुनौती होगा।

चोरी के मोबाइल फोन के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के मोबाइलों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस व खुखरी बरामद कर ली। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्यवीर पुत्र फूल सिंह निवासी सेलाकुई, द्वारा थाना सेलाकुई पर सूचना दी कि चोरों द्वारा सेलाकुई स्थित उनके घर के अंदर से 02 मोबाइल फोन चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे तथा गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों पर पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से संदिग्धों के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गयी तथा

❑एक तमंचा, दो कारतूस तथा एक खुखरी बरामद

सीसीटीवी से प्राप्त संदिग्धों के हुलिये से अवगत कराते हुए सूचना तंत्र को भी सक्रिय किया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों से चैकिंग के दौरान धूलकोट तिराहे के पास 02 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिन्होंने अपने नाम फैजान पुत्र नूर आलम,

शहबान पुत्र फुरकान, बडा गोहर रामपुर, शंकरपुर, सहसपुर को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से घटना में चोरी किये गये दो मोबाइल फोन, एक तमंचा, दो कारतूस तथा एक खुखरी बरामद किए गए है।

पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे दोनो नशे के आदी हैं तथा अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उनके द्वारा उक्त मोबाइल चोरी की घटना को अजांम दिया गया था। वह किसी अन्य बडी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे, इससे पूर्व ही पुलिस टीम द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार फैजान पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के अभियोग में जेल जा चुका है, जिसमें चार माह पूर्व ही वो जेल से छूटकर बाहर आया था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।